अध्ययन मार्गदर्शिका
पुराने नियम के ऐतिहासिक विवरण
मॉड्यूल सात — राजा दाऊद

दिशानिर्देश : प्रत्येक अध्ययन मार्गदर्शिका को समय संकेतों के साथ खंडों में विभाजित किया गया है जो प्रत्येक मॉड्यूल में शामिल मुख्य श्रेणियों के अनुरूप हैं। अनुभागों में दो मुख्य घटक पाए जाते हैं : **नोट्स लेने की रूपरेखा** और **पुनर्समीक्षा के प्रश्न।** आपको वीडियो व्याख्यान देखते समय **नोट्स लेने की रूपरेखा का उपयोग करना है** और फिर मॉड्यूल प्रश्नोत्तरी की तैयारी के लिए **पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर देना है।** अध्ययन मार्गदर्शिकाओं का उपयोग करने के सर्वोत्तम तरीकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए छात्र दिशानिर्देश नियमावली को देखें। साथ ही, अध्ययन मार्गदर्शिकाओं को सेव करना सुनिश्चित करें क्योंकि वे इस पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा की तैयारी के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन होंगी।

\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

नोट्स लेने की रूपरेखा

मिनट 0:00 – 46:00

1. परिचय
2. आरंभिक आशीषें, 2 शमूएल 1-9
	1. संरचना और विषय-वस्तु
		1. हेब्रोन में, 2 शमूएल 2:1–5:5
		2. यरूशलेम, 2 शमूएल 5:6–9
	2. मसीही अनुप्रयोग
		1. परमेश्वर की वाचाएँ
		2. परमेश्वर का राज्य

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. शमूएल की पुस्तक के व्यापक मूल उद्देश्य की समीक्षा करें?
2. शमूएल की पुस्तक के तीन प्रमुख भागों की विषय-वस्तु की समीक्षा करें।
3. शमूएल की पुस्तक के तीसरे मुख्य भाग के तीन खंडों की विषय-वस्तु का सारांश दीजिए।
4. हेब्रोन में दाऊद को परमेश्वर की आशीष कैसे प्राप्त हुई, इसका सारांश दीजिए (2 शमूएल 2:1-5:5)।
5. कौन सा नगर संपूर्ण बाइबल इतिहास का भौगोलिक केंद्र है?
6. किन रूपों में परमेश्वर यरूशलेम में दाऊद को आरंभ में आशीष देता है (2 शमूएल 5:6-6:23)?
7. दाऊद ने यरूशलेम में विश्वासयोग्य आराधना के महत्व के बारे में अपनी जागरूकता दिखाने के लिए क्या किया?
8. जब वे संदूक को यरूशलेम में ला रहे थे और उज्जा ने उसे छू दिया तो क्या हुआ? इस अध्याय के अनुसार ऐसा क्यों हुआ? दाऊद ने कैसे प्रतिक्रिया दी?
9. क्या दाऊद ने यरूशलेम में मंदिर बनवाया? क्यों?
10. जब दाऊद ने पाप किया तो परमेश्वर ने उससे कैसे निपटने का वादा किया (2 शमूएल 7:14-15)? शमूएल की पुस्तक के मूल पाठकों के लिए इसका क्या अर्थ था?
11. 2 शमूएल 8:2, 7, 8 और 11 के अनुसार, परमेश्वर ने दाऊद को भी बड़े \_\_\_\_\_\_ से आशीषित किया।
12. मपीबोशेत कौन था और दाऊद ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया?
13. हमारी पुस्तक के इस भाग में सबसे बड़ी आशीष \_\_\_\_\_\_ थी जो परमेश्वर ने दाऊद के साथ बाँधी थी, जिसमें उसने दाऊद से एक स्थाई राजवंश देने की प्रतिज्ञा की थी।
14. सारांश के तौर पर, उन महत्त्वपूर्ण तरीकों का उल्लेख कीजिए जिनमें परमेश्‍वर ने दाऊद के द्वारा अपने राज्य को आगे बढ़ाया। समझाइए कि कैसे यीशु ने दाऊद के समान कार्य किए पर वे उस से बढ़कर थे।

नोट्स लेने की रूपरेखा

मिनट 46:00 — 1:25:40

1. बाद के शाप, 2 शमूएल 10-20
	1. संरचना और विषय-वस्तु
		1. आरंभिक परेशानियाँ, 2 शमूएल 10-12
		2. विस्तृत परशानियाँ, 2 शमूएल 13-20
	2. मसीही अनुप्रयोग
		1. परमेश्वर की वाचाएँ
		2. परमेश्वर का राज्य

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. दाऊद के स्थाई राजत्व की कहानी के दूसरे भाग (2 शमूएल 10-20) का मुख्य केंद्र-बिंदु क्या है?
2. डॉ. एवरबेक के अनुसार, 2 शमूएल में बताए गए दाऊद के पापों से हम कौन-सी मुख्य बात सीखते हैं?
3. बतशेबा के साथ यौन संबंध बनाने और यह पता चलने के बाद कि वह गर्भवती है, दाऊद ने अपने पाप को छिपाने के लिए क्या किया? फिर जब वह काम नहीं आया तो उसने और क्या किया?
4. इस अध्याय के अनुसार, शमूएल के मूल पाठकों ने दाऊद द्वारा बतशेबा के साथ किए गए कार्य को क्यों उचित ठहराया होगा?
5. नातान ने कैसे दाऊद का सामना करके उसे उसका पाप दिखाया?
6. नातान ने दाऊद को उसके पाप के लिए सबसे पहले क्या दंड सुनाया (2 शमूएल 12:10-11)?
7. जब नातान ने दाऊद और उसके परिवार पर उसके पाप के लिए शापों की घोषणा की, तो दाऊद ने कैसे प्रत्युत्तर दिया? जब दाऊद ने पश्चाताप कर लिया, तो नातान ने उस समय उसे क्या संदेश दिया (2 शमूएल 12:13-14)?
8. बतशेबा से जन्मे उसके पहले बेटे की मृत्यु के बाद परमेश्वर ने दाऊद के प्रति कैसे दया दिखाई?
9. शमूएल की पुस्तक के मूल पाठकों के मन में इस बात के संबंध में क्या प्रश्न उठ सकता है कि सुलैमान इस्राएल का राजा बना? शमूएल की पुस्तक के लेखक ने इस सवाल का उत्तर कैसे दिया?
10. बतशेबा के साथ किए पाप के फलस्वरूप दाऊद के परिवार पर आए विस्तृत संकटों के पाँच चरणों को दर्शाएँ; उसके पुत्रों अम्नोन, किलाब और अबशालोम से संबंधित समस्याएँ।
11. हम इस बात से क्या सीख सकते हैं कि परमेश्‍वर ने दाऊद को उसके पाप के लिए ताड़ना दी?
12. इब्रानियों 12:3-17 हमें इस जीवन में परमेश्वर के अनुशासन के बारे में क्या सिखाता है? सच्चे विश्वासियों के परिणामों और गैर-विश्वासियों के परिणामों में क्या अंतर है?
13. संक्षेप में बताएँ कि यीशु कैसे प्रत्येक चरण में अपने राज्य की स्थापना का कार्य पूरा करता है : उद्घाटन, निरंतरता, और पूर्णता।

नोट्स लेने की रूपरेखा

मिनट1:25:40 – 2:04:07

1. निरंतर जारी उपकार, 2 शमूएल 21-24
	1. संरचना और विषय-वस्तु
		1. राजवंशीय गीत, 2 शमूएल 22
		2. राजवंशीय अंतिम शब्द, 2 शमूएल 23:1-7
		3. जयवंत योद्धा, 2 शमूएल 21:15-22
		4. जयवंत योद्धा, 2 शमूएल 23:8-38
		5. परमेश्वर के शाप से राहत, 2 शमूएल 21:1-14
		6. परमेश्वर के शाप से राहत, 2 शमूएल 24:1-25
	2. मसीही अनुप्रयोग
		1. परमेश्वर की वाचाएँ
		2. परमेश्वर का राज्य
2. उपसंहार

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. शमूएल की पुस्तक के अंतिम भाग (2 शमूएल 21-24) का विषय क्या है?
2. शमूएल की पुस्तक का अंतिम भाग (2 शमूएल 21-24) किस प्रकार रचा गया है?
3. “राजवंशीय गीत” (2 शमूएल 22:1-51) में, दाऊद ने गाया कि परमेश्वर अपने राजा को महान \_\_\_\_\_\_ प्रदान करता है और अपने अभिषिक्त के प्रति दृढ़ \_\_\_\_\_\_ प्रकट करता है।
4. “राजवंशीय अंतिम वचनों” (2 शमूएल 23:1-7) में, दाऊद ने घोषणा की कि एक राजा जो \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ अपने लोगों के लिए बड़ी-बड़ी आशीषें लाएगा।
5. “विजयी योद्धाओं” का पहला विवरण (2 शमूएल 21:15-22) संक्षेप में बताता है कि कैसे परमेश्वर ने इस्राएल को \_\_\_\_\_\_\_ के विरुद्ध चार अलग-अलग लड़ाइयों में विजय की आशीष दी थी, तब भी जब दाऊद स्वयं \_\_\_\_\_\_\_ गया था।
6. यह अध्याय “विजयी योद्धाओं” (2 शमूएल 23:8-38) के दूसरे विवरण का सारांश कैसे देता है?
7. “परमेश्‍वर के शाप से राहत" (2 शमूएल 21:1-14) के पहले वृत्तांत का केंद्र-बिंदु क्या है?
8. शमूएल की पुस्तक के अंतिम अध्याय (2 शमूएल 24:1-25) में “परमेश्वर के शाप से राहत” के दूसरे वृत्तांत का केंद्र-बिंदु क्या है?
9. यद्यपि हम निश्चित नहीं हो सकते, फिर भी इस अध्याय के अनुसार क्या संभावित कारण है कि दाऊद द्वारा अपने योद्धाओं की गिनती करना गलत था (2 शमूएल 24:1-25)?
10. अपने योद्धाओं को गिनने के पाप के कारण इस्राएल पर आई महामारी को रोकने के लिए दाऊद ने क्या किया?
11. उस स्थान के बारे में क्या महत्वपूर्ण बात थी जहाँ दाऊद ने इस्राएल पर महामारी को रोकने के लिए एक वेदी बनाई और बलिदान चढ़ाए, वह स्थान था अरौना का खलिहान?
12. वाचा का वह श्रेष्ठ मध्यस्थ कौन है जिसकी ओर दाऊद के साथ बाँधी गई वाचा की तीनों बातें संकेत करती हैं?
13. दाऊद का वह सिद्ध धर्मी पुत्र कौन है जो परमेश्वर द्वारा दाऊद से की गई सभी राज्य-संबंधी प्रतिज्ञाओं को पूरा करता है?